Fluxapyroxad 250 G/L +
Pyraclostrobin 250 G/L SC
ORATOS®
Fungicide
Read Leaflet before use
For Agricultural use

Oratos 500 G/L SC contains 250 g/l of Fluxapyroxad and 250 g/l of Pyraclostrobin. It is a very effective fungicide for the control of Powdery mildew disease in Grapes, Premature leaf fall & Alternaria leaf spot disease in Apple, Powdery mildew in Cucumber, Powdery mildew & Anthracnose in Chilli, Early blight and Septoria leaf Spot in Tomato, Powdery mildew in Mango and Purple blotch & Stemphylium blight disease in Onion.

CHEMICAL COMPOSITION

S. No.	Ingredient	Content (g/l)
1.	Fluxapyroxad	250
2.	Pyraclostrobin	250
3.	1,2-propylene glycol	70
4.	Sodium salt of a condensation product of phenolsulfonic acid, urea, formaldehyde and phenol	20
5.	Naphthalene sulfonic acid / formaldehyde, condensate, sodium salt	20
6.	Adduct of ethylene oxide to polypropylene glycol	20
7.	Polydimethylsiloxane + filler, emulsion in water	5
8.	Xanthan gum	2.5
9.	1,2-benzisothiazolin-3-one plus 2-methyl-4-isothiazolin -3-one in aq. solution	2
10.	Fully de-ionized water, solvent	q.s.
	Total	1000.00

Application & Recommendation for use:

Crop	Common name of Disease	Dosage / ha			Waiting Period (Days)
		a. I. (grams)	Formulation (ml)	Water (Litres)	
Grapes	Powdery Mildew	100	200	1000	10
Apple	Premature leaf fall & Alternaria leaf spot	187.5	375	2900	29
Cucumber	Powdery mildew	100-125	200-250	500	10
Chilli	Powdery mildew Anthracnose	100-125	200-250	500	7
Tomato	Early blight Septoria leaf spot	100-125	200-250	500	10
Mango	Powdery mildew	75-100	150-200	1000	38
Onion	Purple blotch Stemphylium blight	125	250	500	10

Toxic to aquatic organisms hence should not be used near water bodies or pisciculture area. Product is toxic to young adult honey bee. Application of the product containing the these molecules may be avoided during active foraging period of the bees.

FRAC statement:

GROUP	7	11	FUNGICIDE

Crop stage for application: Preventive application before the first symptoms of disease observed and can be applied at vegetative and fruiting stage of the Grapes, Apple, Cucumber, Chilli, Tomato, Mango and Onion.

Weather conditions: Should be applied preferably in the morning and evening. Avoid applications under high wind.

Soil and water: This is foliar application fungicide. So, hardly have any relation to soil.

Application technique: The product can be sprayed with High and low volume sprayers. It can be applied by manual and tractor mounted Sprayer equipped with hollow cone nozzle using optimum quantity of water to ensure thorough coverage. The Foot Sprayer is used for aerial application in Apple and Knapsack sprayer in Grape, Cucumber, Chilli, Tomato, Mango and Onion.

Equipment type: Knapsack sprayer

Nozzle type: Hollow cone nozzle

Dosage: Grape: 200 ml of formulation in 1000 litres of water per hectare. Apple: 375 ml of formulation in 2500 litres of water per hectare. Cucumber, Chilli. Tomato: 200-250 ml of formulation in 500 litres of water. Mango: 150-200 ml formulation in 1000 litres of water per hectare and Onion: 250 ml of formulation in 500 litres of water per hectare.

Instruction for mixing: Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water with through agitation.

Re-entry period: 24 hours.

PHI: Grapes: 10 days, Apple: 29 days, Cucumber: 10 days, Chilli: 7 days, Tomato: 10 days, Mango: 38 days and Onion: 10 days.

Manner and time of application: The product can be applied as prophylactic. Should be applied preferably in the morning and evening.

Frequency including maximum number of sprays: 2-4 spray depending upon disease pressure.

Stages during which fungicide should not be applied on any crop: No restriction for crop stage.

Storage: 1. The packages containing the fungicide should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key. 2. The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapor.

Safety Precautions: 1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillage or splashes. Do not mix with bare hands. 2. The user should use full protective clothing, which includes rubber gloves, boots, face shield and overall or rubber apron or hat.

Poisoning Symptoms: It may cause slight irritation to skin and moderate irritation to eyes.

First Aid: If ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician. **If Inhaled:** Take the patient to the fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty, give artificial respiration, preferably with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of Skin Contact:** Wash thoroughly with soap and plenty of water. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **In case of Eye Contact:** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists, consult eye specialist.

Antidote: No specific antidote is known. In case of poisoning treat symptomatically.

Warning: 1. Dangerous to reuse empty containers. 2. Not to be used on crops other than mentioned on this label/leaflet.

Safe Disposal of Used Containers: 1. It shall be the duty of manufacturers, formulators of insecticides and operators to dispose packages of surplus material and washings in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution. 2. The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

फ्लुक्सापायरोक्साड २५० ग्रा./ली. +
पायराक्लोस्ट्रोबिन २५० ग्रा./ली. एससी
ओरॅटोस
फफूँदनाशक
प्रयोग से पहले पर्ची पढ़ ले
कृषि उपयोग के लिए

ओरॅटोस ५०० ग्राम/लीटर एस सी में २५० ग्राम/लीटर फ्लुक्सापायरोक्साड तथा २५० ग्राम/लीटर पायराक्लोस्ट्रोबिन है। यह अंगूर की फसल मे पावडरी मिल्ड्यू और सेब में प्रिमेच्युअर लिफफॉल और अल्टरनेरिया पर्ण दाग रोग, खीरा की फसल मे पावडरी मिल्ड्यू, मिर्ची की फसल मे पावडरी मिल्ड्यू और एन्थ्रेक्नोस, टमाटर की फसल मे अगेती झुलसा और सेपटोरीया पर्णधब्बा, आम की फसल में पावडरी मिल्ड्यू और प्याज की फसल में बैंगनी ब्लोच और स्टेमफिलियम ब्लाइट के रोकथाम हेतु एक बहुत ही असरदार फफूंदनाशक है।

रासायनिक घटक:

क्र.क्र.	सामग्री	अंश (ग्रा./ली.)
१.	फ्लुक्सापायरोक्साड	२५०
२.	पायराक्लोस्ट्रोबिन	२५०
३.	१, २-प्रोपीलीन ग्लायकॉल	७०
४.	फीनोल सल्फोनिक एसिड, यूरिया, फॉर्मएल्डिहाइड और फीनोल के कंडेन्सेशन प्रोडक्ट का सोडियम सॉल्ट	२०
५.	नेफ्थालीन सल्फोनिक एसिड/फॉर्मएल्डिहाइड, कंडेन्सेट, सोडियम सॉल्ट	२०
६.	इथीलीन ऑक्साइड से पॉलीप्रोपीलीन ग्लायकॉल का एडक्ट	२०
७.	पॉलीडाईमिथाइलसिलोक्सेन + फिलर, पानी में इमल्शन	५
८.	एक्सान्थन गम	२.५
९.	१, २-बेन्ज़िसोथियाजोलिन-३-वन प्लस २-मिथाइल-४-आइसोथियाजोलिन-३-वन इन एक्वस सॉल्यूशन	२
१०.	पूर्णतः डी-आयोनाइज्ड पानी, सॉल्वेन्ट	पर्याप्त परिमाण
	कुल	१०००.००

प्रयोग का तरीका और सिफारिश:

फसल	रोग का प्रचलित नाम	मात्रा/हेक्टेअर			प्रतीक्षा अवधि (दिन)
		स.त. (ग्राम)	फॉर्म्यूलेशन (मिलि)	पानी (लीटर)	
अंगूर	पावडरी मिल्ड्यू	१००	२००	१०००	१०
सेब	प्रिमेच्युअर लिफ फॉल और अल्टरनेरिया पर्ण दाग	१८७.५	३७५	२९००	२९
खीरा	पावडरी मिल्ड्यू	१००-१२५	२००-२५०	५००	१०
मिर्ची	पावडरी मिल्ड्यू एन्थ्रेक्नोस	१००-१२५	२००-२५०	५००	७
टमाटर	अगेती झुलसा सेप्टोरीया पर्णधब्बा	१००-१२५	२००-२५०	५००	१०
आम	पावडरी मिल्ड्यू	७५-१००	१५०-२००	१०००	३८
प्याज	बैंगनी ब्लोच और स्टेमफिलियम ब्लाइट	१२५	२५०	५००	१०

जलीय जीवों के लिए विषाक्त इसलिए जलाशयों या मत्स्य पालन क्षेत्र के पास उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। उत्पाद युवा वयस्क मधुमक्खी के लिए विषैला होता है। मधुमक्खियों के सक्रिय चाय अवधि के दौरान इन अणुओं वाले उपयोग से बचा जा सकता है।

एफआरएसी वक्तव्य:

समूह	7	11	फफूंदनाशक

आवेदन के लिए फसल चरण: रोग के पहले लक्षणों के देखे जाने से पहले निवारक उपयोग और अंगूर, सेब, खीरा, मिर्ची, टमाटर, आम और प्याज की वानस्पतिक अवस्था मे लगाया जा सकता है।

मौसम की स्थिति: सुबह और शाम के समय इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर होता है। जब तेज हवा चल रही हो तो छिड़काव करने से बचें।

मृदा तथा पानी: यहां फफूंदनाशक का पत्ती छिड़काव किया जाता है। इसलिए मिट्टी से इसका तकरीबन कोई रिश्ता नहीं है।

आवेदन तकनीक : इस दवा का छिड़काव उच्च तथा कम वॉल्यूम वाले स्प्रेयर्स के जरिए किया जा सकता है। इसका छिड़काव मैन्युअल तथा ट्रैक्टर पर लगे स्प्रेयर यंत्र से होलो कोन नोजल के जरिए किया जा सकता है, पर्याप्त मात्रा में पानी का इस्तेमाल किया जाना चाहिए ताकि पूरी फसल को कवर किया जा सके। सेब में छिड़काव के लिए पाव से सचालित स्प्रेयर एवं अंगूर, खीरा, मिर्ची, टमाटर, आम और प्याज के लिए नैपसेक स्प्रेयर का उपयोग करें।

उपकरण प्रकार : नैपसेक स्प्रेयर

नोजल प्रकार: होलो कोन नोजल

मात्रा: अंगूर: प्रति हैक्टेअर १००० लीटर पानी में २०० मिली फॉर्म्यूलेशन। सेब: प्रति हैक्टेअर २५०० लीटर पानी में ३७५ मिली फॉर्म्यूलेशन। खीरा, मिर्ची और टमाटर: प्रति हैक्टेअर ५०० लीटर पानी में २००-२५० मिली फॉर्म्यूलेशन, आम : प्रति हैक्टेअर १००० लीटर पानी में १५०-२०० मिली फॉर्म्यूलेशन। प्याज: प्रति हैक्टेअर ५०० लीटर पानी में २५० मिली फॉर्म्यूलेशन।

मिश्रण के लिए अनुदेश: दवा की मापी हुई मात्रा को थोड़े से पानी में घोलें। फिर एक विलोडक की मदद से पानी की निर्धारित बाकी मात्रा को इसमें अच्छी तरह मिला दें।

पुन: प्रवेश की अवधि : 24 घंटे

पूर्व फसल का अंतराल: अंगूर: १० दिन, सेब: २९ दिन, खीरा: १० दिन, मिर्ची: ७ दिन और टमाटर: १० दिन, आम: ३८ दिन, प्याज: १० दिन ।

आवेदन का तरीका और समय : दवा का इस्तेमाल प्रोफायलैक्टिक के रूप में किया जा सकता है। सुबह और शाम के साथ छिड़काव करना ज्यादा बेहतर होता है।

स्प्रे की अधिकतम संख्या सहित आवृत्ति: बीमारी की स्थिति के अनुसार २-४ छिड़काव।

वह अवस्था जिस दौरान किसी भी फसल पर उत्पाद का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए: फसल की अवस्था के बारे में कोई प्रतिबंध नहीं।

भंडारण : १. फफूंदनाशक के डिब्बों का भंडारण अन्य वस्तुओं खासतौर से खाद्य-पदार्थ रखे जाने के कमरों या परिसर से दूर अलग कमरों या परिसरों में या फफूंदनाशक की मात्रा तथा प्रकृति के अनुसार अलग अलमारियों में ताला बंद करके किया जाना चाहिए। २. फफूंदनाशक के भंडारण हेतु कमरे या परिसर अच्छी तरह निर्मित, हवादार, पर्याप्त रोशनी व हवा की आवाजाही वाले एवं काफी बड़े होने चाहिए ताकि उसकी वाष्प से प्रदूषण न हो।

सुरक्षा सावधानियां: १. घोल बनाते समय उसके छलके या छिटकने से त्वचा पर लगने या सास द्वारा अंदर जाने से रोके, खाली हाथ से घोल न बनाए। २. इस्तेमालकर्ता को पूर्णतः सुरक्षाकारी वस्त्र पहनने चाहिए, जिसमे रबर के दस्ताने, बूट, चेहरे का नकाब और रबर का पूरा एप्रन तथा हैट शामिल है।

विषबाधा के लक्षण: आँखों को मध्यम झुझलाहट और त्वचा में मामुली झुझलाहट पैदा कर सकता है ।

प्राथमिक उपचार: अगर मुँह से निगल लिया है : यदि व्यक्ति सचेत और सतर्क है, तो पानी से मुह कुल्ला कराये और पीने के लिए 1 या 2 गिलास पानी दें। एक बेहोश व्यक्ति को मुह से कुछ भी कभी नहीं दें। डॉक्टर को बुलाएं। बिना उपस्थित चिकित्सक की सलाह उल्टी न कराये। **यदि साँस में लिये जाने पर :** रोगी को ताजी हवा में ले जाए और शरीर के तापमान का ख्याल रखे। यदि रोगी साँस नहीं ले रहा है या कठिनाई से साँस ले रहा है, तो कृत्रिम श्वसन दे, एक चिकित्सक से परामर्श करें। **त्वचा के संपर्क के मामले में :** शरीर के प्रभावित हिस्से को अच्छी तरह से साबुन से धोए और बालो और नाखुनो सहित पानी का खूब इस्तेमाल करें। यदि दर्द, लालिमा या जलन बनी रहती है, तो डॉक्टर से परामर्श करें। सभी दूषित कपड़ो को अलग किया जाना चाहिए और उपयोग से पहले साबुन और पानी से अच्छी तरह से धोना चाहिए। **आंखों के संपर्क के मामले में :** कम से कम 15 मिनट के लिए बहुत सारे पानी से धीरे-धीरे धोए। यदि दर्द, जलन, लालिमा या फोटोफोबिया बनी रहती है तो नेत्र रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।

विषहर (प्रतिकारक): कोई विशिष्ट विषहर औषधी नहीं है। लक्षण के अनुसार और चिकित्सा के आधार पर इलाज दी जानी चाहिए।

चेतावनी: १. खाली डिब्बे का पुन: उपयोग खतरनाक है। २. लेबल और पर्ची पर उल्लिखित न होने की स्थिति में, इसका प्रयोग फसल पर न करें।

कंटेनरों/उपयोग किये गये आधानों का सुरक्षित निपटान: 1. यह निर्माताओं, कीटनाशकों और संचालकों का कर्तव्य होगा कि वे सरप्लस सामग्री और धुलाई के पैकेजों क निपटारा सुरक्षित ढंग से करना चाहिए ताकि पर्यावरण व जल प्रदूषण को रोका जा सके। 2. उपयोग किए गए पैकेट बाहर न छोड़ें ताकि उनका दोबारा उपयोग न हो। 3. पैकेटों को तोड़कर आबादी से दूर गाड़ना चाहिए।

ફ્લુક્સાપાયરોક્સાઈડ ૨૫૦ ગ્રા./લિ. +
પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ૨૫૦ ગ્રા./લિ. એસસી
ઓરાટોસ
ફૂગનાશક
ઉપયોગ પૂર્વે પત્રક વાંચો
કૃષિ ઉપયોગ માટે

ઓરાટોસ ૫૦૦ ગ્રા./લિ. એસસીમાં ફ્લુક્સાપાયરોક્સાઈડ ૨૫૦ ગ્રા./લિ. અને પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ૨૫૦ ગ્રા./લિ. સમાવિષ્ટ છે. તે દ્રાક્ષમાં ભૂકી છારાનો રોગ, સફરજનમાં પાન વહેલા ખરવા અને અલ્ટરનેરિયા પાન ડાઘના રોગ, કાકડીમાં ભૂકી છારો, મરચાંમાં ભૂકી છારો અને એન્થ્રેકનોઝ, ટમેટામાં વહેલી અંગમારી અને સેપ્ટોરિયા પાન ડાઘ, કેરીમાં ભૂકી છારો અને ડુંગળીમાં જાંબલી ડાઘનો રોગ અને સ્ટેમ્ફાયલિયમ અંગમારીને કાબૂમાં લેવા માટે અત્યંત અસરકારક ફૂગનાશક છે.

રાસાયણિક સંયોજનઃ

અનુક્રમ	ઘટક	માત્રા (ગ્રા./લિ.)
૧.	ફ્લુક્સાપાયરોક્સાઈડ	૨૫૦
૨.	પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન	૨૫૦
૩.	૧, ૨-પ્રોપાયલીન ગ્લાયકોલ	૭૦
૪.	ફિનોલસલ્ફોનિક એસિડ, યુરિયા, ફોર્મલડિહાઈડ અને ફિનોલના કન્ડેન્સેશન પ્રોડક્ટનું સોડિયમ સોલ્ટ	૨૦
૫.	નેપ્થાલીન સલ્ફોનિક એસિડ/ફોર્મલડિહાઈડ, કન્ડેન્સેટ, સોડિયમ સોલ્ટ	૨૦
૬.	પોલીપ્રોપાયલીન ગ્લાયકોલના ઈથાયલીન ઓક્સાઈડનું એડક્ટ	૨૦
૭.	પોલીડિમિથાઈલસિલોક્સેન + ફિલર, પાણીમાં ઇમલ્ઝન	૫
૮.	ઝેન્થમ ગમ	૨.૫
૯.	૧, ૨-બેન્ઝિસોથિયેઝોલિન-૩-વન વત્તા એક સોલ્યુશનમાં ૨-મિથાઈલ-૪-આયસોથિયાઝોલિન-૩-વન	૨
૧૦.	સંપૂર્ણ ડિ-આયોનાઇઝ્ડ પાણી, સોલ્વન્ટ	ક્યુ.એસ.
	કુલ	૧૦૦૦.૦૦

છંટકાવ અને ઉપયોગ માટે ભલામણઃ

પાક	રોગનું સામાન્ય નામ	માત્રા/હેક્ટર			ચોખ્ખાગાળો સમયગાળો (દિવસો)
		એ.આઈ. (ગ્રામ)	સંરચના (મિલિ)	પાણી (લિટર)	
દ્રાક્ષ	ભૂકી છારો	૧૦૦	૨૦૦	૧૦૦૦	૧૦
સફરજન	પાન વહેલા ખરવા અને અલ્ટરનેરિયા પાન ડાઘ	૧૮૭.૫	૩૭૫	૨૯૦૦	૨૯
કાકડી	ભૂકી છારો	૧૦૦-૧૨૫	૨૦૦-૨૫૦	૫૦૦	૧૦
મરચાં	ભૂકી છારો, એન્થ્રેકનોઝ	૧૦૦-૧૨૫	૨૦૦-૨૫૦	૫૦૦	૭
ટમેટા	વહેલી અંગમારી, સેપ્ટોરિયા પાન ડાઘ	૧૦૦-૧૨૫	૨૦૦-૨૫૦	૫૦૦	૧૦
કેરી	ભૂકી છારો	૭૫-૧૦૦	૧૫૦-૨૦૦	૧૦૦૦	૩૮
ડુંગળી	જાંબલી ડાઘનો રોગ સ્ટેમ્ફાયલિયમ અંગમારી	૧૨૫	૨૫૦	૫૦૦	૧૦

આ ઉત્પાદન માછલીઓ અને સમુદ્રિ જીવો અને મધમાખીઓ માટેઝેરી છે. પાણીની નહેરો અને મધમાખીઓ સક્રિય હોય ત્યારે તેનો ઉપયોગ ટાળવો જોઈએ. ૩. ઉત્પાદન યુવા પુખ્ત મધમાખીઓ માટે ઝેરી છે. આથી આ મોલેક્યુલ્સનો સમાવેશ ધરાવતા ઉત્પાદનનો છંટકાવ મધમાખીઓ સક્રિય હોય તે દરમિયાન ટાળવો જોઈએ.

એફઆરએસી નિવેદનઃ

સમૂહ	7	11	ફૂગનાશક

છંટકાવ માટે પાકના તબક્કાઃ રોગનાં પ્રથમ લક્ષણો દેખાતાં પ્રતિબંધાત્મક છંટકાવ અને વનસ્પતિકતા તથા દ્રાક્ષ, સફરજન, કાકડી, મરચાં, ટમેટા, કેરી અને ડુંગળી અને ફળ આવવાના તબક્કામાં છંટકાવ કરી શકાય છે.

હવામાનની સ્થિતિઃ સવારે અને સાંજે છંટકાવ કરવાનો આગ્રહ રાખવો જોઈએ. ભારે પવન હોય તો છંટકાવ કરવાનું ટાળો.

માટી અને પાણીઃ આ પાન પર છંટકાવ કરવાનું ફૂગનાશક છે. આથી માટી સાથે તેને ભાગ્યે જ કોઈ સંબંધ છે.

છંટકાવની ટેકનિકઃ પ્રોડક્ટ ઉચ્ચ અને નીચા વોલ્યુમ સ્પ્રેયરોથી છંટકાવ કરી શકાય છે. તે સંપૂર્ણ આવરણની ખાતરી રાખવા માટે મહત્તમ પાણીની માત્રાનો ઉપયોગ કરીને હોલો કોન નોઝલ સાથેનું મેન્યુઅલ અને ટ્રેક્ટર માઉન્ટેડ સ્પ્રેયરથી છંટકાવ કરી શકાય છે. સફરજનમાં હવાઈ છંટકાવ માટે ફૂટ સ્પ્રેયરનો અને દ્રાક્ષ, કાકડી, મરચાં, ટમેટા, કેરી અને ડુંગળીમાં નેપસેક સ્પ્રેયરનો ઉપયોગ કરાય છે.

ઉપકરણનો પ્રકારઃ નેપસેક સ્પ્રેયર.

નોઝલનો પ્રકારઃ હોલો કોન નોઝલ.

માત્ર : દ્રાક્ષઃ હેક્ટર દીઠ ૧૦૦૦ લિટર પાણીમાં ૨૦૦ મિલિ સંરચના. સફરજનઃ હેક્ટર દીઠ ૨૫૦૦ લિટર પાણીમાં ૩૭૫ મિલિ સંરચના. કાકડી, મરચાં અને ટમેટાઃ હેક્ટર દીઠ ૫૦૦ લિટર પાણીમાં ૨૦૦-૨૫૦ મિલિ સંરચના. કેરીઃ હેક્ટર દીઠ ૧૦૦૦ લિટર પાણીમાં ૧૫૦-૨૦૦ મિલિ સંરચના અને ડુંગળીમાં હેક્ટર દીઠ ૫૦૦ લિટર પાણીમાં ૨૫૦ મિલિ સંરચના.

મિશ્રણ કરવા માટે સૂચનાઃ ઉત્પાદનની આવશ્યક માત્રા લો અને પાણીની ઓછી માત્રામાં સારી રીતે મિશ્રણ કરો. સતત હલાવવા સાથે નિર્ધારિત અનુસાર હવે બાકી પાણીની માત્રા પણ ઉમેરી દો.

પુનઃપ્રવેશનો સમયગાળો : ૨૪ કલાક.

પીએચઆઈઃ દ્રાક્ષઃ ૧૦ દિવસ, સફરજનઃ ૨૯ દિવસ, કાકડીઃ ૧૦ દિવસ, મરચાંઃ ૭ દિવસ, ટમેટાઃ ૧૦ દિવસ, કેરીઃ ૩૮ દિવસ અને ડુંગળીઃ ૧૦ દિવસ.

છંટકાવની રીત અને સમયઃ આ ઉત્પાદન પ્રોફાયલેક્ટિક તરીકે છંટકાવ કરી શકાય. સવારે અને સાંજે છંટકાવ કરવાને પ્રાધાન્ય આપવું જોઈએ.

છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સાથે સાતત્યતાઃ રોગના દબાણને આધારે ૨-૪ છંટકાવ.

ફૂગનાશક કોઈ પણ પાકમાં ઉપયોગ કરાય તે દરમિયાનના તબક્કાઃ પાકના તબક્કા માટે કોઈ નિયંત્રણ નહીં.

સંગ્રહની શરતોઃ ૧. ફૂગનાશક ધરાવતા પાત્રોને અન્ય પદાર્થો સંગ્રહ કરાતી જગ્યા કે ઓરડીથી દૂર અલગ જગ્યા કે ઓરડીમાં અથવા ફૂગનાશકની માત્રા અને પ્રકાર આધારે અલગ કબાટમાં તાળું-ચાવી મારીને સંગ્રહ કરવા જોઈએ. ૨. ફૂગનાશકના સંગ્રહ માટેની જગ્યા કે ઓરડી યોગ્ય બાંધકામ ધરાવતી, સૂકી, યોગ્ય હવા ઉજાસ ધરાવતી અને પૂરતા વિસ્તારવાળી હોવી જોઈએ જેથી વરાળનો ભરાવો ન થાય.

સુરક્ષાની સાવચેતીઓઃ ૧. મિશ્રણ કરવા સમયે ઢોળાવાથી કે છાલકો ઊડવાથી શ્વાસમાં જવાનું કે ત્વચા સાથે સંપર્ક થવાનું ટાળો. ખુલ્લા હાથે મિશ્રણ નહીં કરતા. ૨. ઉપભોક્તાએ સંપૂર્ણ સંરક્ષણાત્મક કપડાં પહેરવાં, જેમ કે, રબરનાં હાથમોજાં, જૂતાં, ચહેરા પરનું શિલ્ડ અને એકંદર અથવા રબર એપ્રોન અથવા હેટ.

ઝેરનાં લક્ષણોઃ તે ત્વચામાં સહેજ ખંજવાળ અને આંખમાં મધ્યમ ખંજવાળ પેદા કરી શકે છે.

પ્રાથમિક ઉપચારઃ જો પેટમાં જાય તોઃ જો વ્યક્તિ ભાનમાં અને સતર્ક હોય તો મોઢું પાણીમાં ડુબાડો અને પીવા માટે ૧ કે ૨ ગ્લાસ પાણી આપો. બેભાન વ્યક્તિને કશું પણ મોઢા વાટે આપવું નહીં. ડોક્ટરને બોલાવો. તબીબ કહે નહીં ત્યાં સુધી બળજબરીથી ઊલટી નહીં કરાવશો. **જો શ્વાસમાં જાયઃ** દરદીને તાજી હવામાં બહાર લાવો અને શરીરના તાપમાનનું ધ્યાન રાખો. જો દરદી શ્વાસ લેતો ન હોય અથવા શ્વાસ લેવામાં મુશ્કેલી પડતી હોય તો અગ્રતાની રીતે મોઢાથી કૃત્રિમ શ્વાસ આપો. તબીબને જાણ કરો. **ત્વચા સાથે સંપર્ક થવાના કિસ્સામાંઃ** ભરપૂર પાણી અને સાબુથી ધુઓ. આમ છતાં જો લાલાશ, દર્દ કે ખંજવાળ નહીં જાય તો ડોક્ટરને બોલાવો. બધાં દૂષિત કપડાં અલગ કરવાં જોઈએ અને ફરી ઉપયોગ કરવા પૂર્વે સાબુ અને પાણીથી અલગથી ધોવા જોઈએ. **આંખો સાથે સંપર્ક થવા પરઃ** કમસેકમ ૧૫ મિનિટ સુધી ભરપૂર પાણીમાં બોળી રાખો. જો તે છતાં દર્દ, ખંજવાળ, લાલાશ કે ફોટોફોબિયા યથાવત રહે તો નેત્ર નિષ્ણાતને બતાવો.

વિષનાશકઃ કોઈ ચોક્કસ વિષનાશક નથી. આથી લક્ષણાત્મક અને સમર્થક ઉપાય કરવો જોઈએ.

ચેતવણીઃ ૧. ખાલી ડબ્બા ફરીથી ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે. ૨. આ લેબલ/પત્રકમાં ઉલ્લેખ સિવાયના પાક પર અજમાવશો નહીં.

ઉપયોગ કરેલા ડબ્બાનો સુરક્ષિત નિકાલઃ ૧. વધારાની સામગ્રીનાં પેકેજીસ અને મશીનો અને ધોવાણનો કચરો સુરક્ષિત રીતે નિકાલ પર્યાવરણ અને જળ પ્રદૂષણ નહીં થાય તે માટે સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરવાની જવાબદારી જંતુનાશકના ઉત્પાદકો, રચનાકારો અને છંટકાવ કરનારની રહેશે. ૨. ઉપયોગ કરેલાં પેકેજીસનો ફરીથી ઉપયોગ ટાળવા માટે બહાર ખુલ્લામાં છોડી નહીં દેવા જોઈએ. ૩. પેકેજીસ તોડીને માનવી વસાહતથી દૂર દાટી દેવા જોઈએ.

फ्लक्सापायरोक्सॅड २५० ग्रॅ./लि. +
पायराक्लोस्ट्रोबिन २५० ग्रॅ./लि. एससी
ओरॅटोस
बुरशीनाशक
वापरण्यापूर्वी माहितीपत्रक वाचावे
कृषि उपयोगासाठी

ओरॅटोस ५०० ग्रॅ./लि. एससी मध्ये फ्लक्सापायरोक्सॅड २५० ग्रॅ./लि. आणि पायराक्लोस्ट्रोबिन २५० ग्रॅ./लि. असते हे द्राक्षावरील पावडरी मिल्ड्यू (भुरी), सफरचंदावरील मुदतपूर्व पानांची गळती (प्री-मॅच्युअर लिफ फॉल) आणि अल्टरनेरिया लिफ स्पॉट (पानावर एकआड एक ठिपके येणे), काकडीवरील पावडरी मिल्ड्यू (भुरी), मिरचीवरील पावडरी मिल्ड्यू (भुरी) व करपा रोग, टॉमेटोवरील सुरुवातीचा करपा आणि सेप्टोरिया लिफ स्पॉट तसेच आंब्यावरील पावडरी मिल्ड्यू (भुरी) आणि कांद्यावरील जांभळा करपा आणि स्टेमफायलम ब्लाइट या रोगांवर नियंत्रण मिळवण्यासाठी अत्यंत प्रभावी बुरशीनाशक आहे.

रासायनिक संरचना:

अनु. क्र.	घटक	प्रमाण (ग्रॅ./लि.)
१	फ्लक्सापायरोक्सॅड	२५०
२	पायराक्लोस्ट्रोबिन	२५०
३	१,२-प्रोपिलिन ग्लायकॉल	७०
४	फेनोलसल्फोनिक अ‍ॅसिड, युरिया, फॉर्मालडिहाईड आणि फेनॉल याच्या घनीभूत उत्पादनाचा सोडियम सॉल्ट	२०
५	नफ्थॅलर सल्फोनिक अ‍ॅसिड/फॉर्मालडिहाइड, कन्डेन्सेट, सोडियम सॉल्ट	२०
६	अ‍ॅडक्ट ऑफ एथिलिन ऑक्साइड टू पॉलिप्रॉपिलिन ग्लायकॉल	२०
७	पॉलिडायमिथाइलसिलोक्सेन + फिलर, पाण्यातील फेसाळ द्रावण	५
८	झॅन्थन गम	२.५
९	१,२-बेन्झिसोथियाझोलिन-३-वन प्लस २-मिथाइल-४-आयसोथिआझोलिन-३-वन इन एक्व. सोल्यूशन	२
१०	संपूर्ण डि-आयोनाइज्ड वॉटर, द्रावक	उर्वरित भाग
	एकूण	१०००

उपयोग व वापरासाठी शिफारसी:

पीक	रोगाचे सामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर			प्रतीक्षा कालावधी (पीएचआय) (दिवस)
		स.घ. (ग्रॅम्स)	रसायन (मिली)	पाणी (लीटर्स)	
द्राक्ष	पावडरी मिल्ड्यू (भुरी)	१००	२००	१०००	१०
सफरचंद	प्री-मॅच्युअर लिफ फॉल आणि अल्टरनेरिया लिफ स्पॉट	१८७.५	३७५	२९००	२९
काकडी	पावडरी मिल्ड्यू (भुरी)	१००-१२५	२००-२५०	५००	१०
मिरची	पावडरी मिल्ड्यू (भुरी), करपा	१००-१२५	२००-२५०	५००	७
टॉमेटो	सुरुवातीचा करपा, सेप्टोरिया लिफ स्पॉट	१००-१२५	२००-२५०	५००	१०
आंबा	पावडरी मिल्ड्यू (भुरी)	७५-१००	१५०-२००	१०००	३८
कांदा	जांभळा करपा स्टेमफायलम ब्लाइट	१२५	२५०	५००	१०

हे उत्पादन मासे व मणका नसणारे जलचर आणि मधमाश्या यांच्यासाठी विषकारक असल्याचे आढळले आहे, त्यामुळे अनुक्रमे पाण्याच्या साठ्याच्या भोवती आणि मधमाशांच्या अन्न साठविण्याच्या कालावधी दरम्यान याचा वापर टाळण्यात यावा. हे उत्पादन लहान प्रौढ मधमाशांसाठी विषकारक आहे. मधमाशांच्या अन्न गोळा करण्याच्या सक्रीय काळात यांचे कण असणाऱ्या उत्पादनाचा वापर केला जाऊ नये.

एफआरएसी विधान:

ग्रुप	7	11	बुरशीनाशक

वापरासाठी पिकाचा टप्पा: रोगाची प्राथमिक लक्षणे दिसून येण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक स्वरूपात आणि द्राक्ष, सफरचंद, काकडी, मिरची आणि टॉमेटो आंबा आणि कांद्याच्या पाने लागण्याच्या व फळे लागण्याच्या टप्प्यावर याचा वापर केला जाऊ शकतो.

वातावरणाची स्थिती: शक्यतो सकाळी व संध्याकाळी वापरण्यात यावे. जोरात वारा असल्यास फवारणी करू नये.

माती व पाणी: हे पर्णस्तरावर वापर करावयाचे बुरशीनाशक आहे त्यामुळे मातीवरोबर याचा काहीच संबंध नाही.

वापराचे तंत्र: हे उत्पादन हाय आणि लो व्हॉल्युम स्प्रेअर्सद्वारे फवारणी केले जाऊ शकते. व्यवस्थित आच्छादन होण्याची खात्री व्हावी म्हणून भरपूर पाण्याचा वापर करून हॉलो कोन नोझल बसविलेल्या ट्रॅक्टरवर चढविलेल्या स्प्रेअरने किंवा हाताने याचा वापर केला जाऊ शकतो. सफरचंदावर हवेतून वापर करण्यासाठी फूट स्प्रेअरचा आणि द्राक्ष, काकडी, मिरची व टॉमेटो आंबा आणि कांद्यावर नॅपसॅक स्प्रेअरचा वापर केला जातो.

उपकरणाचा प्रकार: नॅपसॅक फवारणी यंत्र.

नोझलचा प्रकार: हॉलो कोन नोझल.

मात्रा: द्राक्ष: दर हेक्टरी २०० मिलि रसायन १००० लिटर पाण्यामध्ये. सफरचंद: दर हेक्टरी ३७५ मिलि रसायन २५०० लिटर पाण्यामध्ये. काकडी, मिरची आणि टॉमेटो: दर हेक्टरी २००-२५० मिलि रसायन ५०० लिटर पाण्यामध्ये, आंबा: दर हेक्टरी १५०-२०० मिलि रसायन १००० लिटर पाण्यामध्ये आणि कांदा: दर हेक्टरी २५० मिलि रसायन ५०० लिटर पाण्यामध्ये.

मिश्रणासाठी सूचना : उत्पादनाची आवश्यक मात्रा मोजून घ्या आणि ती थोड्याशा पाण्यात नीट ढवळून घ्या. हळूहळू आवश्यक ते उरलेले पाणी मिसळा.

पूर्नवापर कालावधी : २४ तास.

पीएचआय: द्राक्ष: १० दिवस, सफरचंद: २९ दिवस, काकडी: १० दिवस, मिरची: ७ दिवस, टॉमेटो: १० दिवस, आंबा: ३८ दिवस आणि कांदा: १० दिवस.

वापराची पध्दत व वेळ: ह्या उत्पादनाचा प्रतिबंधक म्हणून वापर करता येऊ शकतो. शक्यतो सकाळी व संध्याकाळी वापर करावा.

फवारणीच्या कमाल संख्येसह वारंवारिता: रोगाच्या प्रभावानुसार २-४ फवारण्या.

कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशकाचा वापर करू नये असे टप्पे: पिकाच्या टप्प्यासाठी बंधन नाही.

साठवण्याची पद्धत: १. बुरशीनाशकांचे पॅकेजेस स्वतंत्ररित्या खोलीमध्ये किंवा अशा जागी ठेवावी ती इतर पदार्थ साठवण्याच्या खोलीपासून दूर असावी अथवा स्वतंत्ररित्या कुलूपबंद कपाटात ठेवावीत. २. बुरशीनाशके ठेवण्याची खोली किंवा जागा व्यवस्थित बांधकाम असलेली कोरडी हवाप्रकाशाचे खेळवण असलेली आणि वाष्पीभवनामुळे प्रदुषण होणार नाही एवढ्या आकारमानाची असावी.

सुरक्षिततेची खबरदारी: १. द्रावण तयार करताना सांडणे आणि शिंतोडे उडण्यामुळे श्वासावाटे आत जाणे आणि त्वचेशी संपर्क टाळावा. उघड्या हातानी मिश्रण तयार करू नका. २. उपयोग करणाऱ्या व्यक्तींने संपूर्ण संरक्षक कपड्यांचा उपयोग करावा. रबरी ग्लोव्हज, बूटस, फेस शिल्ड आणि संपूर्ण कपडे किंवा रबरी ॲप्रन किंवा हॅटचा उपयोग करावा.

विषबाधेची लक्षणे: त्यामुळे त्वचेला सौम्य दाह आणि डोळ्यांना मध्यम स्वरूपाचा दाह होऊ शकतो.

प्रथमोपचार: पोटात गेलेले असल्यास: व्यक्ति शुद्धिवर आणि सावध असेल तर तोंड पाण्याने धुवून घ्या व १ ते २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या. बेशुद्ध व्यक्तिला तोंडाद्वारे कधीही काहीही देऊ नका. डॉक्टरांना बोलवा. उपचार करणाऱ्या डॉक्टरांनी सांगितल्याशिवाय ओकाऱ्या काढू नका. **श्वासात गेल्यास:** रुग्णाला मोकळ्या हवेत हलवा आणि शारिरीक तपमानाची काळजी घ्या. रुग्ण श्वासोश्वास करीत नसेल किंवा त्याला श्वासोश्वास करण्यास अडथण येत असेल तर शक्यतो तोंडाद्वारे श्वसन देऊन कृत्रिम श्वासोश्वास द्या. डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. **त्वचेशी संपर्क आल्यास:** साबण व भरपूर पाणी घेऊन धुवून काढा. वेदना, तांबूसपणा किंवा दाह सुरु राहिल्यास डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. सर्व दुषित कपडे वेगळे करण्यात यावेत आणि पुन्हा वापर करण्यापूर्वी साबण आणि पाणी याच्या साहाय्याने व्यवस्थितरीत्या वेगळे धुवून घ्यावेत. **डोळ्यांशी संपर्क आल्यास:** भरपूर पाणी घेऊन कमीत कमी १५ मिनिटे हलकेच हलके मारा. वेदना, दाह, तांबूसपणा किंवा प्रकाशामुळे होणारा त्रास सुरु राहिल्यास नेत्रविशारद डॉक्टरांचा सल्ला घ्या.

उतारा: विशिष्ट उतारा नाही. त्यामुळे लक्षणानुसार आणि साह्यकारक उपचार देण्यात यावेत.

खबरदारीचे विवरण: १. रिकाम्या कंटेनरचा उपयोग करणे धोकादायक आहे. २. ह्या लेबलवर/माहितीपत्रकावर नमूद केलेल्या व्यतिरिक्त इतर पिकांवर उपयोग करू नये.

वापरलेले कंटेनर सुरक्षितपणे नष्ट करणे: १. पर्यावरण आणि पाण्याला प्रदुषण होणार नाही अशा प्रकारे उरलेल्या मालाची पॅकेजेस आणि धुतलेले पाणी सुरक्षितपणे नष्ट करणे ही नेहमीचे उत्पादक, किटकनाशकाचे मिश्रण तयार करणारी व्यक्ती, आणि ऑपरेटर्स यांची जबाबदारी असेल. २. उरलेल्या पॅकेजेसचा पुन्हा उपयोग केला जाऊ नये यासाठी ती बाहेर टाकू नयेत. ३. पॅकेजेस तोडून वस्तीपासून दूर पुरून टाकावीत.

ਫਲੂਕਸਾਪਾਈਰੋਕਸਾਡ ੨੫੦ ਗ੍ਰਾ./ਲੀ. +
ਪਾਈਰਾਕਲੋਸਟ੍ਰੋਬਿਨ ੨੫੦ ਗ੍ਰਾ./ਲੀ. ਐਸਸੀ
ਓਰਾਟੋਸ
ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ
ਉਪਯੋਗ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਪੁਸਤਿਕਾ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ
ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਦੇ ਉਪਯੋਗ ਲਈ

ਓਰਾਟੋਸ ੫੦੦ ਗ੍ਰਾ./ਲੀ. ਐਸਸੀ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਨ ਫਲੂਕਸਾਪਾਈਰੋਕਸਾਡ ੨੫੦ ਗ੍ਰਾ./ਲੀ. ਅਤੇ ਪਾਈਰਾਕਲੋਸਟ੍ਰੋਬਿਨ ੨੫੦ ਗ੍ਰਾ./ਲੀ.। ਇਹ ਅੰਗੂਰਾਂ ਵਿੱਚ ਚੂਰਨੀ ਫਫੂੰਦੀ ਰੋਗ, ਸੇਬ ਵਿੱਚ ਪੂਰਵਪਰਪੱਕਤਾ ਪੱਤੀ ਝੜਨ ਅਤੇ ਆਲਟਰਨੇਰੀਆ ਪੱਤੀ ਦਾਗ ਰੋਗਾਂ, ਖੀਰੇ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ, ਮਿਰਚ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ ਅਤੇ ਐਂਥਰਾਕਨੋਸ, ਟਮਾਟਰ ਵਿੱਚ ਅਗੇਤੀ ਕਾਂਗਿਆਰੀ ਅਤੇ ਸੇਪਟੋਰੀਆ ਕਾਂਗਿਆਰੀ ਅੰਬ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ ਅਤੇ ਪਿਆਜ਼ ਵਿੱਚ ਪਰਪਲ ਬਲੋਚ ਅਤੇ ਸਟੇਮਫੀਲਿਅਮ ਬਲਾਈਟ ਬਿਮਾਰੀ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਬਹੁਤ ਹੀ ਅਸਰਦਾਰ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ।

ਰਸਾਇਣਕ ਮਿਸ਼ਰਨ:

ਕ੍ਰਮ ਸੰ.	ਤੱਤ	ਤੱਤ ਵ/ਵ (ਗ੍ਰਾ./ਲੀ.)
੧.	ਫਲੂਕਸਾਪਾਈਰੋਕਸਾਡ	੨੫੦
੨.	ਪਾਈਰਾਕਲੋਸਟ੍ਰੋਬਿਨ	੨੫੦
੩.	੧,੨- ਪ੍ਰੋਪੀਲੀਨ ਗਲਾਈਕੋਲ	੭੦
੪.	ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ ਆਫ ਏ ਕੰਡੇਂਸੇਸ਼ਨ ਪ੍ਰੋਡਕਟ ਆਫ ਫੀਨੋਲਸਲਫੋਨਿਕ ਏਸਿਡ ਯੂਰੀਆ, ਫਾਰਮਲਡੀਹਾਈਡ ਅਤੇ ਫੀਨੋਲ	੨੦
੫.	ਨਾਫਥਾਲੀਨ ਸਲਫੋਨਿਕ ਏਸਿਡ/ਫਾਰਮਲਡੀਹਾਈਡ, ਕੰਡੇਂਸੇਟ, ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ	੨੦
੬.	ਐਡਕਟ ਆਫ ਏਥੀਲੀਨ ਆਕਸਾਈਡ ਟੂ ਪੋਲੀਪ੍ਰੋਪੀਲੀਨ ਗਲਾਈਕੋਲ	੨੦
੭.	ਪੋਲੀਡੀਮੇਥਾਈਲਸੀਲੋਕਸੇਨ + ਫਿਲਰ, ਇਮਲਸ਼ਨ ਇਨ ਵਾਟਰ	੫
੮.	ਸਾਨਥਨ ਗੱਮ	੨.੫
੯.	੧, ੨-ਬੇਂਜ਼ੀਸੋਥਾਯਾਜ਼ੋਲੀਨ-੩-ਵੰਨ ਪਲੱਸ ੨-ਮੇਥਾਈਲ-੪-ਆਈਸੋਥਾਯਾਜ਼ੋਲੀਨ-੩-ਵੰਨ ਇਨ ਐਕੂ. ਸਲੂਸ਼ਨ	੨
੧੦.	ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਡੀ-ਆਯੋਨਾਈਜ਼ਡ ਪਾਣੀ, ਘੋਲਕ	ਕਿਊ.ਐਸ.
	ਕੁਲ	੧੦੦੦

ਇਸਤੇਮਾਲ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਤੇ ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼:

ਫ਼ਸਲ	ਬੀਮਾਰੀ ਦਾ ਆਮ ਨਾਂ	ਮਾਤਰਾ/ਹੈਕਟਰ			ਇੰਤਜ਼ਾਰ ਅਵਧੀ (ਦਿਨ)
		ਏ. ਆਈ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫ਼ਾਰਮੂ. (ਮਿਲੀ.)	ਪਾਣੀ ਦੀ ਮਾਤਰਾ (ਲੀ.)	
ਅੰਗੂਰ	ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ	੧੦੦	੨੦੦	੧੦੦੦	੧੦
ਸੇਬ	ਪੂਰਵਪਰਪੱਕਤਾ ਪੱਤੀ ਝੜਨ ਅਤੇ ਆਲਟਰਨੇਰੀਆ ਪੱਤੀ ਦਾਗ	੧੮੭.੫	੩੭੫	੨੯੦੦	੨੯
ਖੀਰਾ	ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ	੧੦੦-੧੨੫	੨੦੦-੨੫੦	੫੦੦	੧੦
ਮਿਰਚ	ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ, ਐਂਥਰਾਕਨੋਸ	੧੦੦-੧੨੫	੨੦੦-੨੫੦	੫੦੦	੭
ਟਮਾਟਰ	ਅਗੇਤੀ ਕਾਂਗਿਆਰੀ, ਸੇਪਟੋਰੀਆ ਕਾਂਗਿਆਰੀ	੧੦੦-੧੨੫	੨੦੦-੨੫੦	੫੦੦	੧੦
ਅੰਬ	ਪਾਊਡਰ ਵਰਗੀ ਉੱਲੀ	੭੫-੧੦੦	੧੫੦-੨੦੦	੧੦੦੦	੩੮
ਪਿਆਜ਼	ਪਰਪਲ ਬਲੋਚ ਸਟੇਮਫੀਲਿਅਮ ਬਲਾਈਟ	੧੨੫	੨੫੦	੫੦੦	੧੦

ਜਲਮਈ ਜੀਵਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਹੈ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਸਰੋਤਾਂ ਜਾਂ ਮੱਛੀਪਾਲਣ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰ ਦੇ ਨੇੜੇ ਉਪਯੋਗ ਨਹੀਂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਉਤਪਾਦ ਜਵਾਨ ਬਾਲਗ ਮਧੂਮੱਖੀਆਂ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀ ਜ਼ਹਿਰੀਲਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਅਣੂਆਂ ਯੁਕਤ ਉਤਪਾਦ ਦੇ ਲਾਗੂਕਰਨ ਤੋਂ ਮਧੂਮੱਖੀਆਂ ਦੇ ਸਕ੍ਰਿਅ ਤੌਰ ਤੇ ਮੰਡਰਾਉਣ ਦੇ ਸਮੇਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਪਰਹੇਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਐਫਆਰਏਸੀ ਕਥਨ:

ਸਮੂਹ	7	11	ਉੱਲੀਮਾਰ

ਲਾਗੂਕਰਨ ਲਈ ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਪੜਾਅ: ਅੰਗੂਰ, ਸੇਬ, ਖੀਰਾ, ਮਿਰਚ, ਟਮਾਟਰ, ਅੰਬ ਅਤੇ ਪਿਆਜ਼ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਬੂਟੇ ਦੇ ਵਾਧੇ ਅਤੇ ਫਲ ਆਉਣ ਦੀ ਅਵਸਥਾ ਵਿੱਚ ਰੋਗ ਦੇ ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਲੱਛਣ ਦਿੱਸਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲੇ ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਮੌਸਮੀ ਪਰਿਸਥਿਤੀਆਂ: ਸਵੇਰੇ ਅਤੇ ਸ਼ਾਮ ਦੇ ਵੇਲੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਿਹਤਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਤੇਜ਼ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਇਸਤੇਮਾਲ ਨਾ ਕਰੋ।

ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ: ਇਹ ਪੱਤੀਆਂ ਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਕੀਤਾ ਜਾਣ ਵਾਲਾ ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ ਮਿੱਟੀ ਦੇ ਨਾਲ ਇਸਦਾ ਤਕਰੀਬਨ ਕੋਈ ਰਿਸ਼ਤਾ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਲਾਗੂਕਰਨ ਦੀ ਤਕਨੀਕ: ਇਸ ਦਵਾ ਨੂੰ ਹਾਈ ਅਤੇ ਲੋ ਵਾਲਿਊਮ ਸਪ੍ਰੇਅਰਾਂ ਨਾਲ ਛਿੜਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਹਾਲੋ ਕੋਨ ਨੋਜ਼ਲ ਲਗਾ ਕੇ ਦਸਤੀ ਜਾਂ ਟ੍ਰੈਕਟਰ 'ਤੇ ਲਗਾ ਕੇ, ਮੁਕੰਮਲ ਕਵਰੇਜ ਕਰਨ ਲਈ ਪਾਣੀ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਮ ਮਾਤਰਾ ਨਾਲ ਛਿੜਕਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸੇਬਾਂ ਵਿੱਚ ਹਵਾਈ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਨ ਲਈ ਫ਼ੁੱਟ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਅਤੇ ਅੰਗੂਰ, ਖੀਰਾ, ਮਿਰਚ, ਟਮਾਟਰ, ਅੰਬ ਅਤੇ ਪਿਆਜ਼ ਵਿੱਚ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਤਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।

ਉਪਕਰਣ ਦੀ ਕਿਸਮ: ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ।

ਨੋਜ਼ਲ ਦੀ ਕਿਸਮ: ਹੋਲੋ ਕੋਨ ਨੋਜ਼ਲ।

ਮਾਤਰਾ: ਅੰਗੂਰ: ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ੨੦੦ ਮਿਲੀ. ਦਵਾ ੧੦੦੦ ਲੀ. ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ। ਸੇਬ: ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ੩੭੫ ਮਿਲੀ. ਦਵਾ ੨੫੦੦ ਲੀ. ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ। ਖੀਰਾ, ਮਿਰਚ ਅਤੇ ਟਮਾਟਰ: ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ੨੦੦-੨੫੦ ਮਿਲੀ. ਦਵਾ ੫੦੦ ਲੀ. ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ। ਅੰਬ: ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ੧੫੦-੨੦੦ ਮਿਲੀ. ਦਵਾ ੧੦੦੦ ਲੀ. ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ। ਅਤੇ ਪਿਆਜ਼: ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ੨੫੦ ਮਿਲੀ. ਦਵਾ ੫੦੦ ਲੀ. ਪਾਣੀ ਵਿੱਚ।

ਮਿਸ਼ਰਣ ਬਣਾਨ ਲਈ ਨਿਰਦੇਸ਼: ਉਤਪਾਦ ਦੀ ਜ਼ਰੂਰੀ ਮਾਤਰਾ ਦਾ ਮਾਪ ਲਓ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੀ ਥੋੜੀ ਮਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾ ਲਓ। ਉਚਿਤ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਦੇ ਨਾਲ ਫ਼ਸਲ ਤੇ ਪੂਰੀ ਕਵਰੇਜ ਲਈ ਦੱਸੇ ਅਨੁਸਾਰ ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਾਕੀ ਬਚੀ ਮਾਤਰਾ ਨੂੰ ਤੇਜ਼ੀ ਨਾਲ ਪਾਓ।

ਪੁਨਰ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਦਾ ਸਮਾਂ : ੨੪ ਘੰਟੇ।

ਪੂਰਵ ਫ਼ਸਲ ਦਾ ਅੰਤਰਾਲ: ਅੰਗੂਰ: ੧੦ ਦਿਨ, ਸੇਬ: ੨੯ ਦਿਨ, ਖੀਰਾ: ੧੦ ਦਿਨ, ਮਿਰਚ: ੭ ਦਿਨ, ਟਮਾਟਰ: ੧੦ ਦਿਨ, ਅੰਬ: ੩੮ ਦਿਨ ਅਤੇ ਪਿਆਜ਼: ੧੦ ਦਿਨ

ਲਾਗੂਕਰਨ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਤੇ ਸਮਾਂ: ਉਤਪਾਦ ਦਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਪ੍ਰੋਫਾਯਲੈਕਟਿਕ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਸਵੇਰੇ ਅਤੇ ਸ਼ਾਮ ਦੇ ਵੇਲੇ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨਾ ਜ਼ਿਆਦਾ ਬਿਹਤਰ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।

ਛਿੜਕਾਅ ਦੀ ਅਧਿਕਤਮ ਸੰਖਿਆ ਜਿਸਦੇ ਵਿੱਚ ਵਾਰਵਰਤਾ ਸ਼ਾਮਲ ਹੈ: ਬੀਮਾਰੀ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ੨-੪ ਛਿੜਕਾਅ।

ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਕਿਸੇ ਵੀ ਫ਼ਸਲ 'ਤੇ ਨਹੀਂ ਛਿੜਕਣਾ ਚਾਹੀਦਾ: ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਦੌਰ ਦੇ ਨਾਤੇ ਕੋਈ ਬੰਦਸ਼ ਨਹੀਂ।

ਸਾਂਭ-ਸੰਭਾਲ: ੧. ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕਾਂ ਵਾਲੇ ਡੱਬਿਆਂ ਨੂੰ ਖਾਣ ਵਾਲੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਜਾਂ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰਿਆਂ ਜਾਂ ਅਹਾਤਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰਿਆਂ ਜਾਂ ਅਹਾਤਿਆਂ ਵਿਚ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਜਾਂ ਫਿਰ ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਅਤੇ ਕਿਸਮ ਅਨੁਸਾਰ ਵੱਖਰੀਆਂ ਅਲਮਾਰੀਆਂ ਵਿਚ ਜਿੰਦਰਾ ਲਗਾ ਕੇ ਰੱਖਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ੨. ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖਣ ਲਈ ਬਣਾਏ ਕਮਰੇ ਜਾਂ ਅਹਾਤੇ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਸੁੱਕੇ ਰੌਸ਼ਨ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਕਾਫ਼ੀ ਖੁੱਲ੍ਹੇ-ਡੁੱਲ੍ਹੇ ਹੋਏ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ, ਤਾਂ ਜੋ ਸਿੱਲ੍ਹ ਨਾਲ ਦੂਸ਼ਿਤ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਚਾਉ ਹੋ ਸਕੇ।

ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ: ੧. ਘੋਲ ਬਣਾਉਂਦੇ ਸਮੇਂ ਛਿੱਟਾਂ ਉੱਡਣ ਕਾਰਨ ਨਾ ਦਵਾਈ ਨੂੰ ਸੁੰਘੋ, ਨਾ ਹੀ ਤਵਚਾ ਨਾਲ ਲਗਣ ਦਿਓ। ਘੋਲ ਨੰਗੇ ਹੱਥਾਂ ਨਾਲ ਨਾ ਮਿਲਾਓ। ੨. ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਨੂੰ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਲਿਬਾਸ ਜਿਵੇਂ ਰਬੜ ਦੇ ਦਸਤਾਨੇ ਬੂਟ, ਫੇਸ ਸ਼ੀਲਡ ਤੇ ਓਵਰਾਲ ਜਾਂ ਰਬੜ ਦਾ ਐਪਰਨ, ਟੋਪ ਪਹਿਨਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ।

ਜ਼ਹਿਰੀਲੇ ਅਸਰ ਦੀਆਂ ਨਿਸ਼ਾਨੀਆਂ: ਇਸ ਦੇ ਕਾਰਨ ਚਮੜੀ ਵਿੱਚ ਮਾਮੂਲੀ ਸਾੜ ਅਤੇ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਦਰਮਿਆਨਾ ਸਾੜ ਪੈ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਫ਼ਸਟ ਏਡ: ਨਿਗਲੇ ਜਾਣ 'ਤੇ: ਜੇ ਪੀੜਤ ਹੋਸ਼ਵਾਨ ਹੈ ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਕੁਰਲੀਆਂ ਕਰਾਕੇ ਮੂੰਹ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ ਅਤੇ ੧-੨ ਗਲਾਸ ਪੀਣ ਲਈ ਦਿਓ। ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਵੀ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਕਾਲ ਕਰੋ। ਜਦ ਤਾਈਂ ਇਲਾਜ ਕਰਤਾ ਫ਼ਿਜ਼ੀਸ਼ਿਅਨ ਨਾ ਕਹੇ, ਉਲਟੀ ਕਰਨ ਲਈ ਨਾ ਉਕਸਾਓ। **ਦਵਾ ਸੁੰਘ ਲੈਣ 'ਤੇ:** ਰੋਗੀ ਨੂੰ ਖੁੱਲ੍ਹੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਤਾਪਮਾਨ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖੋ। ਜੇ ਰੋਗੀ ਸਾਹ ਨਾ ਲੈ ਰਿਹੇ ਹੋਵੇ ਜਾਂ ਮੁਸ਼ਕਲ ਨਾਲ ਲੈ ਰਿਹਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਗੈਰਕੁਦਰਤੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਸਾਹ ਦਿਵਾਓ, ਚੰਗਾ ਹੈ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹ ਦਿਵਾ ਕੇ। ਫ਼ਿਜ਼ੀਸ਼ਿਅਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। **ਤਵਚਾ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ 'ਤੇ:** ਤਵਚਾ ਨੂੰ ਸਾਬਣ ਤੇ ਢੇਰਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਕੇ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਜਲਣ ਕਾਇਮ ਰਹੇ ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਸਾਰੇ ਪਲੀਤ ਹੋਏ ਕਪੜੇ ਵੱਖ ਕਰਕੇ ਧੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤੇ ਫਿਰ ਹੀ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। **ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਲੱਗਣ 'ਤੇ:** ਆਰਾਮ ਨਾਲ, ਘੱਟੋਘੱਟ ੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਕੇ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਜਲਣ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਫੋਟੋਫੋਬੀਆ ਬਣਿਆ ਰਹੇ ਤਾਂ ਅੱਖਾਂ ਦੇ ਸਪੈਸ਼ਲਿਸਟ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।

ਕਾਟ: ਕੋਈ ਵਿਸ਼ਿਸ਼ਟ ਕਾਟ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਹਾਲਾਂਕਿ ਲੱਛਣਾਤਮਕ ਅਤੇ ਸਮਰਥਿਤ ਚਿਕਿਤਸਾ ਦਿੱਤੀ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਚੇਤਾਵਨੀ: ੧. ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤਣਾ ਖ਼ਤਰਨਾਕ ਹੈ। ੨. ਇਸ ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।

ਖਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਨਿਪਟਾਰਾ: ੧. ਵਾਧੂ ਸਮੱਗਰੀ ਦੇ ਪੈਕਿਜਾਂ ਅਤੇ ਵਾਸ਼ਿੰਗਾਂ ਦਾ ਇੱਕ ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਨਿਪਟਾਰਾ ਕਰਨਾ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੇ ਨਿਰਮਾਤਾਵਾਂ, ਸੂਤਰੀਕਾਰਕਾਂ ਅਤੇ ਸੰਚਾਲਕਾਂ ਦਾ ਕਰਤੱਵ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂ ਕਿ ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਤੋਂ ਬਚਿਆ ਜਾ ਸਕੇ। ੨. ਖ਼ਾਲੀ ਡੱਬੇ ਬਾਹਰ ਨਾ ਛੱਡੋ ਤਾਂਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾਣ। ੩. ਖ਼ਾਲੀ ਡੱਬੇ ਤੋੜਕੇ ਆਬਾਦੀ ਤੋਂ ਦੂਰ ਮਿੱਟੀ ਵਿਚ ਗੱਡ ਦਿਓ।

indofil™

Fluxapyroxad 250 G/L +
Pyraclostrobin 250 G/L SC
ORATOS®
Fungicide
For Agricultural use

फ्लुक्सापायरोक्साड २५० ग्रा./ली. +
पायराक्लोस्ट्रोबिन २५० ग्रा./ली. एससी
ओरॅटोस
फफूँदनाशक
कृषि उपयोग के लिए

Read Instructions carefully before use

प्रयोग के पहले सूचनाएँ ध्यानपूर्वक पढ़ लिजिए

Manufactured by : BASF India Limited,
Registered office : The Capital, 1204-C, 12th floor, Plot no.C-70, 'G' Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai- 400051. **Factory :** Lane No. 2 Phase I, Sidco Industrial Complex, Bari Brahmana, Jammu (J&K) 181133.

निर्माता: बीएएसएफ इंडिया लिमिटेड,
पंजीकृत कार्यालय: दि कैपिटल, १२०४-सी,१२ वीं मंजिल,प्लॉट नं.सी -७०, जी ब्लॉक बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - ४०००५१. **फैक्टरी:** लेन नं. २ फेस १ सिडको इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स,बारी ब्राम्हना, जम्मू (जम्मू एंड कश्मीर)-१८११३३.

Marketed by: Indofil Industries Limited,
Regd. Office: Kalpataru Square, 4th Floor, Kondivita Road, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Mumbai - 400 059.

विपणनकर्ता: इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड,
रजि. ऑफ़िस : कल्पतरु स्कवेअर, ४थि मंजिल, कोन्डीविटा रोड, ऑफ अन्धेरी-कुर्ला रोड, अन्धेरी (पूर्व), मुंबई - ४०० ०५९।

For any complaint contact Customer Care Cell at Indofil Industries Limited, Kalpataru Square, Off Andheri-Kurla Road, Andheri (East), Mumbai - 400 059.
Toll Free No.: 1800-120-003-004,
Email: customercare@indofil.com

किसी भी शिकायत के लिए, इंडोफिल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई में ग्राहक सेवा के कार्यकारी से संपर्क करे।
टोल फ्री नं.: १८००-१२०-००३-००४,
ईमेल:customercare@indofil.com

EPR. Regn. No. BO-24-000-05-AAACB4599E-22

® = Registered Trademark of BASF Group Company

English

Hindi

Gujarati

Marathi

Punjabi

ফ্লুক্সাপাইরক্স্যাড ২৫০ গ্রাঃ/লিঃ +
পাইরাক্লোস্ট্রবিন ২৫০ গ্রাঃ/লিঃ এসসি

ওরাটোস

ছত্রাকনাশক

ব্যবহার করার পূর্বে লিফলেট পড়ুন
কৃষিকার্যে ব্যবহারের জন্যে

ଫ୍ଲକ୍ସାପାଇରୋକ୍ସାଡ୍ ୨୫୦ ଗ୍ରି/ଏଲ୍ +
ପାଇରାକ୍ଲୋଷ୍ଟ୍ରୋବିନ୍ ୨୫୦ ଗ୍ରି/ଏଲ୍ ଏସ୍‌ସି

ଓରାଟୋସ୍

ଫିମ୍ପିନାଶକ

ବ୍ୟବହାର ପୂର୍ବରୁ ଲିଫଲେଟକୁ ପଢ଼ନ୍ତୁ
କୃଷି କାର୍ଯ୍ୟରେ ବ୍ୟବହାର ପାଇଁ

ಫ್ಲುಕ್ಸಾಪೈರೊಕ್ಸೈಡ್ 250 ಜಿ/ಎಲ್ +
ಪೈರಾಕ್ಲೋಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 250 ಜಿ/ಎಲ್ ಎಸ್‌ಸಿ

ಒರಾಟೋಸ್

ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ

ಬಳಕೆಯ ಮೊದಲು ಹಸ್ತಪತ್ರಿಕೆ ಓದಿರಿ
ಕೃಷಿ ಬಳಕೆಗಾಗಿ

ఫ్లక్సాపైరోక్సాడ్ 250 జి/ఎల్ +
పైరాక్లోస్ట్రోబిన్ 250 జి/ఎల్ ఎస్‌సి

ఒరాటోస్

శిలీంధ్రనాశిని

ஃப்ளுக்ஸாபைரோக்ஸாட் 250 g/l +
பைராக்ளோஸ்ட்ரோபின் 250 g/l SC

ஓராட்டோஸ்

பூஞ்சாணக்கொல்லி

பயன்படுத்தும் முன்னர் கையேட்டைப் படிக்கவும்
விவசாய பயன்பாட்டிற்கு மட்டும்

فلاکساپائیراکسیڈ ۲۵۰ جی/ایل +
پائیراکلوسٹروبن ۲۵۰ جی/ایل ایس‌سی

اوراٹوس

پھپھوندکُش

استعمال بروٹھ پریو پرچی
زرعی استعمال خاطر

Bengali | Oriya | Kanada | Telugu | Tamil | Kashmiri